IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 3, February 2024

महिलाओं की प्रस्थिति पर संचार माध्यमों का प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (रीवा जिले के विशेष सन्दर्भ में)

डॉ. प्रतिभा श्रीवास्तव[1] एंव राजेन्द्र कुमार साकेत[2]
शोध निर्देशक, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग
शासकीय इन्दिरागांधी गृहविज्ञान स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, शहडोल, (म.प्र.)
शोध छात्र, समाजशास्त्र, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, (म.प्र.)

सारांश :–

जनगणना 2011 के अनुसार भारत की जनसंख्या विश्व में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है, इस जनसंख्या की लगभग 68.80 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण परिवेश में रहती है। भारत की कुल जनसंख्या का 48.27 प्रतिशत जनसंख्या महिलाओं की है। इस प्रकार सम्पूर्ण जनसंख्या का दो तिहाई जनसंख्या ग्रामीण अंचलो में निवास करती है, ग्रामीण जनसंख्या की आधी आबादी महिलाओं की है। इस प्रकार भारत की आधी आवादी जो गाँवों में निवास करती है को छोड़कर हम विकास की कल्पना नहीं कर सकते हैं, महिलायें राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाती हैं। विश्व स्तर पर किसी भी देश के आँकड़ों का विश्लेषण करेंगे तो हम पायेंगे की वही राष्ट्र विकसित है, जिस राष्ट्र में महिलायें पुरुषों के समान कार्य करती है एवं उन्हें पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त है। मनु के अनुसार ''जहाँ महिलाओं की दुर्दशा होती है वहाँ सम्पूर्ण परिवार का विनाश हो जाता है किन्तु जहाँ वे सुखी है वहाँ परिवार सदैव समृद्धि को प्राप्त करता है।

मुख्य शब्द – संचार, माध्यम, महिला, सशक्तीकरण ग्रामीण, प्रस्थिति आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. यादव, राम गणेश : भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, ओरियंट ब्लैक स्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2014.
2. शर्मा, राधेश्याम : जनसंचार, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, 2010.
3. यादव, अवधेश कुमार : भारत में जनसंचार एवं पत्रकारिता, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला, 2013
4. भानावत, संजीव : विकास एवं विज्ञान संचार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2010.
5. सिंह, संदीप : ग्रामीण महिलाएँ योजनाएँ एवं विकास, इशिका पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2013.
6. भानावत, संजीव : भारत में संचार माध्यम, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2010.
7. राजगढ़िया विष्णु : जनसंचार सिद्धान्त और अनुप्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2011.
8. एम0एम0 लवानिया : भारतीय महिलाओं का समाजशास्त्र, रिशर्च पब्लिकेशन, जयपुर,
9. अरुण, एस0के0, त्यागी, बी0डी0 : जन संचार एवं कृषि पत्रकारिता, रामा पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, 2014.
10. वाशिष्ठ मीनाक्षी त्रिखा : इलेक्ट्रानिक युग में पत्रकारिता का बदलता स्वरूप, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 2010.

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 3, February 2024

11. देसाई, नीरा, ठक्कर, उषा : भारतीय समा में महिलाएँ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, 2008.
12. लवानिया, एम0एम0, जैन, शशी के0 : ग्रामीण समाजशास्त्र, रिशर्च पब्लिकेशन, जयपुर,
13. सिंह, वी0एन0, सिंह, जनमेजय : भारत में सामाजिक आन्दोलन, रावत पब्लिकेशन, जयपुर, 2005.
14. विलानिलय, जे0वी0 : जनसंचार : सिद्धान्त और व्यवहार, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 2003.
15. चोपड़ा, लक्ष्मेद्र : जनसंचार का समाजशास्त्र, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 2002.
16. सिंह, ओमप्रकाश : संचार के मूल सिद्धान्त, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 2002.
17. सिंह, ओम प्रकाश : संचार माध्यमों का प्रभाव, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली, 1993.
18. मुकर्जी, रवीन्द्रनाथ : सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन, दिल्ली, 2009.
19. वर्मा, ओमप्रकाश : ग्रामीण समाजशास्त्र, विमल प्रकाशन मन्दिर, आगरा, 1992
20. दुबे, श्यामाचरण : भारतीय समाज, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 2001.

पत्र – पत्रिकाएं एवं जर्नल्स –

- योजना पत्रिका सत्र 2020
- दैनिक जागरण
- नवभारत, जबलपुर
- टुडे न्यूज, सतना
- नवभारत
- दैनिक भास्कर,
- स्टार समाचार पत्र
- रोजगार समाचार पत्र
- रोजगार निर्माण पत्र